VOLUME - VII, ISSUE - IV - OCTOBER - DECEMBER - 2018
AJANTA - ISSN 2277 - 5730 -IMPACT FACTOR - 5.5 (www.sjifactor.com)

५. 'गुजर क्यों नहीं जाता' में महानगरीय जीवन

डॉ. राजेंद्रसिंह चौहाण
सहयोगी प्राध्यापक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर, हिंदी विभाग, बलभीम कॉलेज, बीड.

हिन्दी जगत में जिन युवा कथाकारों ने अपनी कहानी-कला के द्वारा साहित्य के महाधिशों की अपनी मौजूदगी का अहसास कराया, उनमें से एक हैं धीरेन्द्र अस्थाना। उनका तीसरा उपन्यास 'गुजर क्यों नहीं जाता' है। 'स्मृति आख्यान' में चित्रित आत्मकथा के अधिकांश हिस्सों पर यह उपन्यास आधारित है। सम्पादकों और पत्र-पत्रिकाओं के नाम बदल दिए हैं मुंबई में आने के बाद जो-जो कष्ट अस्थाना जी को उठाने पडे हैं, उसका चित्रण है।

'महानगर' शब्द अंग्रेजी के 'मेट्रोपोलिस' का पर्यायवाची है। "मेट्रोपोलिटन" शब्द की उत्पत्ति ग्रीक साहित्य में 'मेट्रोपोलिटन' शब्द से हुई है। ग्रीक साहित्य में इस शब्द का अर्थ है 'मातृनगर'।"[१] भारत में चार शहरों को महानगर का दर्जा दिया गया। यथा दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता और मद्रास। आज महानगर एक ऐसी भागदौड का पर्याय बन जाता है, जहाँ कल-कारखाने तीन-तीन शिफ्ट में चौबीसों घण्टे गडगडाते हैं। मर्क्युरी और नियॉन बत्तियाँ रात को दिन में तबदील किये रखती हैं। शटल गाडियों और बसों में लाखों आदमी इधर से उधर और उधर से इधर चक्कर काटते हुए पडोसियों तक को पहचानते नहीं। एलेक्जैंडर क्लायन ने न्यूयॉर्क महानगर के बारे में ए स्थान पर बडी अच्छी टिप्पणी की है, "न्यूयार्क में निवास करने का वास्तविक और एक मात्र लाभ यह है कि मृत्यु होने पर यहाँ के निवासी तुरन्त ही सीधे स्वर्ग जायेंगे, क्योंकि उनके भाग्य में जितने दिन नरक की आग में बिताने को लिखे थे, वे उन्होंने इस महानगर में अपनी ज़िन्दगी में ही बिता लिये।"[२]

'गुजर क्यों नहीं जाता'

'गुजर क्यों नहीं जाता' उपन्यास में मुंबई जैसे महानगरीय जीवन के कई दृश्य लेखक ने हमारे सम्मुख प्रस्तुत किए हैं। महानगर में आने वाला हर आदमी डरा हुआ रहता है। "भीड़ से डर जाता था। कोलाहल से डर जाता था। झोपडपट्टियों से डर जाता था। अट्टालिकायों से डर जाता था। लोकन ट्रेन से डर जाता था। अकेलेपन से डर जाता था।"[३] एक दिन जब वह अकेला नरीमन प्वाईंट के सामने चहलकदमी कर रहा था। अचानक एक खूबसूरत लडकी उसे पूछती है कि "आर यू एलोन?" वह डर जाता है। उसे लगता है पता नहीं वह उसके साथ क्या कर लेगी? ट्रेन में चढ़ना और उतरने की प्रक्टिस उसे न होने से वह ट्रेन से कूद पडता है। अन्धेरी में उतरते समय जब वह जल्द उतर नहीं पाया और चलती ट्रेन से कूद गया तब वह प्लेटफॉर्म पर गिर पडता है। "मेरी एक चप्पल ट्रेन में ही छूट गयी थी और घुटने छिल गये थे। फिर वह देख मेरा कलेजा मुँह को आ गया था कि पीछे-पीछे दूसरी ट्रेन आ रही थी और भारी भीड़ का सैलाब मुझे रौंद देने के लिए मेरे इर्दगिर्द जमा हो गया था। मैं लगभग रेंगता हुआ, हाँफता हुआ, भयभीत आँखों से उस आक्रामक भीड की गिरफ्त से छूटा और कोई एक ऐसा कोना तलाशने लगा जहाँ बैठकर कुछ देर रो सकूँ।"[४]

Scanned by CamScanner